वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 187 | रविवार 2 नवम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान ने स्थापित किए सुशासन के नए मानक

11 राष्ट्रीय योजनाओं में हासिल किया पहला स्थान

5 में द्वितीय और 9 में तृतीय स्थान प्राप्त कर राजस्थान देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने सुशासन, जनकल्याण और परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति के नए मानक स्थापित किए हैं। राज्य सरकार के प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश ने वर्ष 2024-25 के दौरान 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पहला स्थान हासिल कर देशभर में उत्कृष्टता का परचम लहराया है। इसके साथ ही, 5 में द्वितीय और 9 में तृतीय स्थान प्राप्त कर राजस्थान देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा।

राजस्थान ने स्वास्थ्य, कृषि और जनकल्याण के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है...

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025: 62,915 स्थलों पर 85 लाख से अधिक प्रतिभागियों के साथ पूरे देश में प्रथम स्थान।

अंगदान एवं प्रत्यारोपण: अंगदान को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025 का राष्ट्रीय पुरस्कार।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना: सितम्बर 2025 की रैंकिंग में पहला स्थान।

पोषण पखवाड़ा 2025: आंगनबाड़ी केंद्रों पर आयोजित गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025): 2.18 करोड़ पॉलिसियां जारी कर देश में प्रथम।

अन्य प्रमुख उपलब्धियां: लॉजिस्टिक और जनजाति कल्याण में बेस्ट परफॉर्मर

द्वितीय स्थान: 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम 2025 (वालंटियर श्रेणी), प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पर ड्रॉप मोर क्रॉप), पोषण माह 2025, और पीएम विश्वकर्मा योजना में ऋण स्वीकृति एवं वितरण। **रजत पुरस्कार:** कृषि विभाग में सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स रजत पुरस्कार। **तृतीय स्थान:** पीएम-कुसुम योजना (कंपोनेंट-बी एवं सी), टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान, तंबाकू फ्री यूथ कैम्पेन 2.0, नेशनल प्रोग्राम फोर पेलिएटिव केयर, और आयुष्मान भारत (पीएम-जेएवाई) क्लेम सेटलमेंट। **ब्रॉन्ज अवॉर्ड:** उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के एक जिला-एक उत्पाद कार्यक्रम के क्रियान्वयन में।

फार्मर रजिस्ट्री योजना (पीएम किसान): लाभार्थियों की आईडी बनाने में प्रतिशत के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रैंक।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्राम्य): 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' में स्वच्छता लक्षित इकाइयों को रूपांतरित करने में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान।

पीएम कुसुम योजना (कंपोनेंट-ए): अक्षय एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान।

फिट इंडिया फ्रीडम रन: 10,443 में से 6,202 कार्यक्रम आयोजित कर देश में प्रथम।

विकसित भारत संकल्प यात्रा: 11,209 कैंपों के आयोजन में देश में प्रथम।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना: 5.94 लाख गैस कनेक्शन जारी करके देश में प्रथम स्थान।

पूर्व अतिरिक्त निदेशक अलका सक्सेना की पुस्तक 'अब जब बात निकली है' का विमोचन

जयपुर. कासं

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक और लेखिका अलका सक्सेना की पुस्तक 'अब जब बात निकली है' का विमोचन शनिवार को झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति, जयपुर के सभागार में संपन्न हुआ। यह अवसर साहित्य और जनसम्पर्क जगत के उत्सव जैसा था। मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश वर्मा, मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविन्द पारीक, पूर्व जनसम्पर्क आयुक्त सुनील शर्मा, और वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा ने विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने की। अतिथि वक्ताओं ने इस कृति को संवेदनशील अभिव्यक्तियों का संकलन बताते हुए कहा कि यह मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाने की प्रेरणा देती है। मुख्य अतिथि राकेश वर्मा ने जनसम्पर्क विभाग को सरकार की छवि निखारने वाली ऑपर्चुनिटी बताया। पूर्व आयुक्त सुनील शर्मा ने इसे शुद्ध लेखन की संज्ञा दी। वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने कहा कि जनसम्पर्क सरकार के दिल की धड़कन है। राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के अध्यक्ष राजेंद्र बोड़ा ने पुस्तक को जनसम्पर्क विधा का एक प्रामाणिक दस्तावेज करार दिया। लेखिका अलका सक्सेना ने अपनी पुस्तक के विषय में विस्तार से जानकारी दी और अधिकारियों की कार्यप्रणाली को याद किया।

डीजीपी राजीव शर्मा ने पुलिसकर्मियों के साथ लगाई "रन फॉर यूनिटी" में दौड़

जयपुर. कासं

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राजधानी जयपुर में राष्ट्रीय एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को साकार करते हुए पुलिस विभाग ने 'रन फॉर यूनिटी' (राष्ट्रीय एकता दौड़) का आयोजन किया। इस दौड़ में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव शर्मा स्वयं पुलिसकर्मियों, वरिष्ठ अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों के साथ कदम से कदम मिलाकर दौड़े। दौड़ के दौरान जयपुर की सड़कों पर देशभक्ति और एकता का उत्साह स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ। डीजीपी राजीव शर्मा के नेतृत्व में यह एकता दौड़ ऐतिहासिक अल्बर्ट हॉल से शुरू हुई और त्रिपोलिया पहुँचकर संपन्न हुई। इस दौरान चारों ओर एकता और अखंडता के जयघोष गूंज उठे। दौड़ का मुख्य उद्देश्य देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जागरूकता और गर्व की भावना को बढ़ाना था। पुलिसकर्मियों और युवाओं का जोश पूरे शहर के लिए एक प्रेरणास्रोत बन गया।

बैंक ऑफ बड़ौदा कॉरपोरेट लीग की टीम राजस्थली टाइगर्स का लोगो लॉन्च

जयपुर. शाबाश इंडिया। रामबाग गोल्फ क्लब की वार्षिक बैंक ऑफ बड़ौदा कॉरपोरेट लीग में भाग ले रही राजस्थली टाइगर्स टीम की टी शर्ट व कैप के लोगो को टीम ऑनर गिरीश आकाश अग्रवाल ने लांच किया। इस अवसर पर उपस्थित क्लब कैप्टन योगेन्द्र सिंह व सचिव समृद्ध शर्मा ने बताया कि लीग की शुरूआत 4 नवंबर से होने जा रही है,इस लीग में 37 टीम के 396 गोल्फर्स भाग ले रहे। टीम कैप्टन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि टीम के उप कप्तान एम एल सोनी व गोल्फर महेश मंगल, आशुतोष वशिष्ठ, कर्नल शेर सिंह राठौर, कई प्रतियोगिता विजेता इति, कृष, नितेश टीम में होंगे। इस अवसर पर क्लब एक्जीक्यूटिव शिवराज सिंह व बड़ी संख्या में कोच व गोल्फर उपस्थित थे।

नांदिया के सरकारी स्कूल में मेगा पीटीएम और राष्ट्रीय एकता दिवस का हुआ भव्य आयोजन

नांदिया(पिण्डवाड़ा). शाबाश इंडिया। पिण्डवाड़ा ब्लॉक के निकटवर्ती गाँव नांदिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सरकार के निर्देशानुसार मेगा पीटीएम और राष्ट्रीय एकता दिवस का भव्य आयोजन हुआ। स्थानीय विद्यालय के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने मीडिया को जानकारी में बताया कि आयोजित इस मेगा पीटीएम में अभिभावकों को विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई और विद्यार्थियों द्वारा दीपावली अवकाश अवधि में किये गए गृहकार्य का इस कार्यक्रम में अंतर्गत प्रस्तुतीकरण किया गया जिसको अभिभावकों ने बहुत ही सराहा। इस कार्यक्रम में अभिभावकों ने स्थानीय विद्यालय के स्टाफ की ऐसे कार्यों में सहयोग करने की बात कही। इसी के साथ साथ राष्ट्रीय एकता दिवस पर पोस्टर,निबंध, नारा लेखन आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की भी शपथ भली। कार्यक्रम में अंत में विद्यार्थियों के लिए कृष्णभोग का आयोजन किया गया जिसकी अभिभावकों ने बहुत तारीफ की। आज के इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी। अभिभावकों एवं कार्यक्रम में सहयोग देने वाले अपने स्टाफ के सभी साथियों को प्रधानाचार्य। देवेश कुमार खत्री द्वारा धन्यवाद दिया गया।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के बीच मनाई फ्रेशर्स पार्टी

जयपुर. शाबाश इंडिया। बनी पार्क स्थित एसएसजी पारीक पीजी महिला महाविद्यालय में उत्साह, जोश और मस्ती से भरे पल के साथ फ्रेशर पार्टी मनाई गई। शुरूआत आमंत्रित अतिथि एमएम यूनिवर्सिटी की प्रो. भावना पारीक, सिंगर मौअजम हुसैन , प्लेबैक सिंगर शिल्पी चौरसिया, सिंगर प्रिंसी माथुर , पारीक प्रबंध कार्यकारिणी समिति के उपाध्यक्ष एनके पारीक, संयुक्त सचिव गौरव पुरोहित, प्राचार्य डॉ. विजयलक्ष्मी पारीक, प्राचार्य पीजी कॉलेज डॉ. एनएम शर्मा, प्राचार्य पीजी कॉलेज

आफ एजुकेशन डॉ. प्रमिला दुबे, पारीक पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती चन्दा शर्मा, निर्णायकगण में गिक्सी चौधरी , डॉ अपर्णा पारीक ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की। इस अवसर पर सीनियर छात्राओं ने नवागंतुक छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया और उपाध्यक्ष ने विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य की कामना करते हुए कहा कि पारीक कॉलेज में दी जा रही एजुकेशन संस्कृति पर बेस्ड है, जिससे विद्यार्थियों की प्रतिभा निखर कर आती है। मुख्य अतिथि ने फ्रेशर्स को बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शुरूआती सफर से ही अपने करियर के प्रति समर्पित रहना चाहिए, जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो। इस अवसर पर सिंगर्स ने सैयारा , नाचू नाचू , पर अपने दमदार गायन और अतिथि की नृत्य प्रस्तुति' छेड़ो ना नंदलाल 'ने उपस्थित सभी का मन मोह लिया और दर्शक दीर्घा में बैठी छात्राएं व स्टाफ सदस्य मंत्रमुग्ध हो गए। विद्यार्थी अनुष्का की शानदार ड्रम प्रस्तुति ने माहौल का समां बांध दिया और पूरा प्रांगण तालिया की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस दौरान संयुक्त सचिव ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ सभी गतिविधियों में उत्साह के साथ भाग लेना चाहिए, तभी उनका संपूर्ण विकास होता है नवागंतुक छात्राओं के लिए मिस फ्रेशर्स प्रतियोगिता में क्रमशः कैटवॉक, टैलेंट राउंड, क्वेश्चन आंसर राउंड रखे गए। कैटवॉक राउंड में छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर रंग-बिरंगे परिधानों में प्रस्तुति देते हुए सारे प्रांगण को उल्लासित कर दिया।प्रतियोगिता में मिस फ्रेशर शिवानी ओझा फर्स्ट रनरअप हर्षिता कंवर , सेकंड रनरअप सोफिया बानो चुनी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या ने छात्राओं को आशीर्वचन देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा साथ ही सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

तीये की बैठक

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित कर रहे हैं कि हमारी प्रिय **मणिमाला सोगानी (काजू)** धर्मपत्नी श्री संदीप जी सोगानी का आकस्मिक निधन 31.10.2025 को हो गया है। पीहर पक्ष की बिचले दिन की बैठक 02.11.2025 दोपहर 1 से 3 बजे निज-निवास 2175, पंडित शिवदीन जी के रास्ते, किशनपोल बाजार, जयपुर पर होगी। तीये की बैठक दिनांक 03.11.2025 को भट्टारक जी नसियां पर प्रात: 9 बजे होगी। पीहरपक्ष प्रात: 8.45 पर नसियां के बाहर एकत्रित होंगे। शोकाकुल: ललित, पदमचंद (चाचा), अश्विनी. महावीर (डब्बू)- रीना, अमित, रोबिन, मृदुला सेठी, स्नेहलता- भानु प्रकाश पाटनी, एकता- सुनील पाटनी, खुशी, ऋषि ठोलिया एवं समस्त ठोलीया परिवार। मो.: 9314650900.

हरीपर्वत में हो रहे इंद्रध्वज विधान के नवें दिन संपन्न हुई मांगलिक क्रियाएं

2 नवम्बर को होगा भव्य पिच्छी परिवर्तन समारोह एवं 458 द्वीपो से मंगल आरती

आगरा. शाबाश इंडिया

आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में स्व. स्वरूपचंद जैन मारसंस की पावन स्मृति में मारसंस परिवार द्वारा 24 अक्टूबर से एम.डी. जैन इंटर कॉलेज ग्राउंड हरीपर्वत में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर श्री इंद्रध्वज महामंडल विधान का आयोजन भव्यता के साथ निरंतर चल रहा है। जिसके अंतर्गत विधान के नौवें दिन 1 नवंबर को भक्तों द्वारा प्रभु का अभिषेक किया गया ।विधानाचार्य डॉ. आनंदप्रकाश जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में श्रद्धालुओं ने विशाल मांडल पर 458 जिन प्रतिमाओं से अलंकृत पंचमेरू एवं नन्दीश्वर द्वीप की दिव्य रचना के समक्ष अर्घ्य अर्पित कर विश्वशांति और कल्याण की भावना भायी। सांयकाल भक्ति संध्या के दौरान भक्तिरस भरे भजनों की मधुर स्वर लहरियों ने वातावरण को और भी पवित्र बना दिया।दीपों की झिल मिलाहट और मंगल आरती के दृश्य ने पूरे परिसर को दिव्यता से आलोकित कर दिया। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि विधान के अन्तर्गत 2 नवम्बर को सुबह 9:00 से आचार्यश्री चैत्य सागर जी महाराज ससंघ का भव्य पिच्छी परिवर्तन समारोह एवं शाम को 7:00 बजे 458 द्वीप से मंगल आरती का आयोजन होने जा रहा है ।जिसकी तैयारियाँ पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ चल रही हैं।इस पावन अवसर पर आचार्यश्री के पिच्छी परिवर्तन के साक्षी बनने के लिए आगरा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में पहुंचने की संभावना है।इस मोके पर बिमलेश कुमार जैन,उषा जैन,नितिन जैन, मेघना जैन,नीतू जैन,संजय जैन, नीलू जैन,कमल ठोलिया, शुभी जैन, अंजू जैन,राजेंद्र जैन,अशोक जैन, हुकम जैन,शुभम-जैन सहित समस्त आगरा जैन समाज बड़ी संख्या में उपस्थित रहा। -**रिपोर्ट शुभम जैन**

सिद्धचक्र विधान में होती है सिद्धों की आराधना : आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

आर्यिका सुप्रज्ञ मति माताजी संसंघ के सानिध्य में आज शनिवार को नेमीनाथ जिनालय स्वाध्याय भवन में 8 दिवसीय सिद्ध चक्र विधान में भगवान को 256 अर्घ्य समर्पित किए गए। चातुर्मास कमेटी अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली ने बताया कि इससे पूर्व आर्यिका ससंघ के सानिध्य में भगवान की शांति धारा एवं पंचामृत अभिषेक किया गया। विधानाचार्य पंडित रमेश चंद्र द्वारा सौ धर्म इंद्र इंद्राणी पूनम चंद वखारिया परिवार सहित श्रावक श्राविकाओं से अर्घ्य समर्पित कराए गए। समाज अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया ने बताया कि 5 नवंबर तक कुल 2064 अर्घ्य समर्पित किए जाएंगे। विदुषी आर्यिका ने विधान के बारे में बताया कि सिद्धचक्र विधान जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण विधान है, जिसमें सिद्ध भगवान के समूह की पूजा की जाती है। यह एक पवित्र मंडल या यंत्र पर आधारित है, जो सिद्धों की आराधना करता है। इस विधान का उद्देश्य कर्मों का क्षय करना, पापों से मुक्ति पाना और आध्यात्मिक शांति प्राप्त करना है। यह मंत्रों और बीजाक्षरों के उपयोग से सिद्धों के गुणों का गुणगान करता है और इसे सर्वसिद्धिदायी माना जाता है। इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के कई श्रावक श्राविकाएं ने मौजूद रह कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

पलवल की पवित्र भूमि पर प्रभु अवतरण का दिव्य दिवस मनाया

पलवल. शाबाश इंडिया। आज का दिन पलवल की पावन धरती और जैन समाज दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और भावनात्मक है। आज से ठीक दस वर्ष पूर्व, पलवल की इस पुण्यभूमि पर भूगर्भ से चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान की दिव्य प्रतिमा का चमत्कारिक रूप से अवतरण हुआ था। यह घटना न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि संपूर्ण जैन समाज के लिए प्रभु की साक्षात उपस्थिति का प्रमाण बन गई।इस अलौकिक अवतरण के पश्चात, इन दस वर्षों में अनेक जिनेन्द्र देवों और शासन रक्षक देवी-देवताओं की प्रतिमाएँ भी दैविक संकेतों के माध्यम से प्राप्त हुईं। हर नई प्राप्त प्रतिमा ने पलवल की इस भूमि को और भी अधिक पावन बना दिया, और यह स्थान भक्तों के लिए एक दैविक प्रेरणा केंद्र बन गया। आज, इस दिव्य अवतरण दिवस पर श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत वातावरण में प्रभु चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक, शांतिधारा और आरती का आयोजन किया गया। भक्तों ने भावपूर्वक प्रभु का स्मरण किया और पूरे क्षेत्र में प्रभु जयकारों की गूंज गूँज उठी। किन्तु जैसा कि सदैव होता है, जहाँ प्रकाश होता है वहाँ अंधकार भी अपनी पूरी शक्ति से सक्रिय हो उठता है। इसी अवधि में कुछ तथाकथित साधुओं एवं स्वार्थी तत्वों ने इस पवित्र कार्य को कलंकित करने का प्रयास किया। प्रतिमाओं की प्रामाणिकता पर प्रश्न उठाए गए, फर्जी पत्रों और सोशल मीडिया पर झूठे प्रचार के माध्यम से भ्रम फैलाने की कोशिश की गई, यहाँ तक कि पुरातत्व विभाग को पत्र लिखकर प्रतिमाओं को जब्त करने की साज़िशें भी रची गईं।

दीपावली की बाजार सजावट मे महेश नगर बाजार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

अन्तर राष्ट्रीय वेश्य महा सम्मेलन राजस्थान द्वारा महावीर स्कूल ऑडीटोरियम में इस वर्ष दीपावली की सुन्दर सजावट के लिए महेश नगर व्यापार मण्डल को महामहीम राज्यपाल हरी भाऊ बागड़े द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया । इस अवसर पर व्यापार मण्डल के संरक्षक जे .पी. विजयवग्रीय, अध्यक्ष प्रकाश चन्द अग्रवाल, महामंत्री शिव शंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष दुर्लभ चन्द शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष राज कुमार बंसल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सावरमल सोनी, सांस्कृतिक मंत्री सतीश जैन अकेला, संगठन मंत्री खेमचन्द शर्मा आदि ने महामहीम से स्मृति चिन्ह व सम्मान स्वीकार किया ।

वेद ज्ञान

हर व्यक्ति को डालनी चाहिए सुनने की आदत

सार्थक और सकरात्मक जीवन जीने के लिए ज्यादा परिश्रम की जरूरत नहीं है। कोई विपरीत स्थितियों और परिस्थितियों के बावजूद अपने दिमाग का सही प्रयोग कर उपलब्धियां हासिल कर लेता है और कोई सारी सुविधाओं के बावजूद असफल रहता है। हर व्यक्ति को सबसे पहले सुनने की आदत डालनी चाहिए। जो व्यक्ति सुनता कम है और बोलता ज्यादा है, वह आगे बढ़ने के तमाम अवसरों से चूक जाता है। जब व्यक्ति विद्वानों, श्रेष्ठजनों और गुरु की बात सुनते हैं तो शब्द रूपी ब्रह्म कानों से प्रवेश कर मस्तिष्क में रासायनिक परिवर्तन करते हैं। मस्तिष्क में अच्छी-अच्छी बातें आती हैं। वहीं खराब और बुरी बातें सुनने के बाद प्रायः झगड़े-फसाद हो जाते हैं। घर से दूर गए व्यक्ति को सीधे बुरी खबर नहीं दी जाती। यह है शब्दों का प्रभाव। प्रेम की शुरूआत भी शब्द से और युद्ध की भी शुरूआत शब्द से ही होती है। हमारे ऋषियों ने इसीलिए आध्यात्मिक ग्रंथों में जीवन की हर जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छे विचारों को अच्छे शब्दों के माध्यम से व्यक्त किया है। प्राचीन काल में गुरुकुल में श्रुतिज्ञान की व्यवस्था ही रही। सुनने के बाद जिज्ञासाएं बढ़ती हैं तो अध्ययन की स्वतः इच्छा जाग्रत होती हैं। जिसके पास जितना गहरा ज्ञान, उसकी उतनी महत्ता। ज्ञान से चिंतन-मनन का भाव पैदा होता है। जेम्स वाट ने भाप की आवाज को पहचाना कि भाप में शक्ति है तो न्यूटन ने सेब के गिरने की आवाज सुन ली और गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत प्रतिपादित किया। बड़े-बड़े भौतिक विज्ञान के प्रोजेक्ट क्यों न हों, उनमें डिजाइन और प्लानिंग की जाती है। फिर उसके हिसाब से धन की व्यवस्था की जाती है। फिर उस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होता है। उसी प्रकार जीवन में सबसे पहले मन की आवाज जरूर सुननी चाहिए। प्रथम स्तर पर मन ही बहुत कुछ बता देता है। गलत काम को तो जरूर बताता है। आसपास की घटनाओं, माता-पिता, गुरु आदि की बातों को गहराई से सुनकर जब कोई कदम उठाएंगे तो वह बेहतर होगा। अदालतों में न्यायाधीश दोनों पक्ष की बात बड़े ध्यान से सुनकर निर्णय देता है। इसलिए हर व्यक्ति खुद अपने जीवन का न्यायाधीश बने।

संपादकीय

बड़बोल की राजनीति, अपशब्दों का अखाड़ा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का रणक्षेत्र अब सियासी बहस से कहीं आगे बढ़ चुका है। यहां मुद्दों की जगह अपशब्दों और बड़बोलेपन ने कब्जा जमा लिया है। छठ महापर्व की पवित्रता पर 'ड्रामा' का तंज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को अपमानित करने वाले कथित बयान, और विपक्षी नेताओं पर 'भ्रष्ट युवराज' जैसे लेबल–ये सब मिलकर एक ऐसी तस्वीर पेश कर रहे हैं जहां लोकतंत्र की गरिमा दांव पर लगी हुई है। क्या बिहार की

जनता, जो सदियों से संघर्ष और त्याग की मिसाल रही है, ऐसी अशोभनीय राजनीति का हिसाब लेगी? या फिर यह सब वोटों की जंग में एक सामान्य हथियार बनकर रह जाएगा? चुनावी माहौल में भाषा का यह ह्रास कोई नई बात नहीं लेकिन इस बार यह और भी घिनौना रूप धारण कर चुका है। हाल ही में मुजफ्फरपुर रैली में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर चुटकी लेते हुए छठ पूजा को 'ड्रामा' कहा, जिसका जवाब अमित शाह ने 'छठी मइया का अपमान' बताकर दिया। शाह ने कहा, ''राहुल बाबा ने मोदी जी को अपशब्द कहे, छठी मइया का तिरस्कार किया। बिहार की बहनें-माताएँ इसे कभी माफ नहीं करेंगी।'' यह बयान न केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काता है, बल्कि पूरे चुनाव को सांप्रदायिक रंग दे देता है। दूसरी ओर, एनडीए की ओर से आरजेडी-कांग्रेस को 'कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार और भ्रष्टाचार' के पाँच 'के' से चिह्नित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुजफ्फरपुर में कहा, ''ये लोग छठ को नौटंकी कहते हैं, लेकिन बिहार की मिट्टी इन्हें माफ नहीं करेगी।'' ऐसे बयानों से मुद्दों–जैसे बेरोजगारी, पलायन और विकास–की अनदेखी हो रही है। अपशब्दों का यह सिलसिला पहले भी चला है। अगस्त 2025 में राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में एक कथित नाबालिग ने पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, जिसके वीडियो वायरल हो गए। भाजपा ने इसे 'इंडिया गठबंधन की नफरत' का प्रतीक बताया और कांग्रेस मुख्यालय पर हमला तक बोल दिया। यही नहीं, सितंबर में तेजस्वी यादव की रैली में पीएम की माँ के लिए कथित अपशब्दों पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने आरजेडी को 'गुंडा राज' का दोषी ठहराया। कांग्रेस ने जाले विधानसभा सीट से उसी मोहम्मद नौशाद को टिकट दिया, जिनके मंच से यह विवादास्पद बयान आया। विपक्ष इसे 'फर्जी प्रचार' बताता है, लेकिन सोशल मीडिया पर ये वीडियो हवा भरते जा रहे हैं। एक्स (पूर्व ट्विटर) पर सैकड़ों पोस्ट ऐसे हैं, जहाँ नेता एक-दूसरे को 'युवराज' या 'भ्रष्ट परिवार' कहकर तंज कस रहे हैं। जनसुराज के समर्थक तक मैथिली ठाकुर जैसी कलाकारों को अपशब्दों से निशाना बना रहे हैं, जो सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुँचाता है। यह बड़बोल क्यों? सियासी विश्लेषकों का मानना है कि बिहार की जनता, जो 8.2 करोड़ मतदाताओं के साथ देश का सबसे बड़ा वोट बैंक है, अब सतर्क हो चुकी है। एनडीए विकास के नाम पर वोट मांग रहा है–मखाना बोर्ड, मुफ्त बिजली, लेकिन विपक्ष 'जंगल राज' के पुराने घाव कुरेद रहा है। -**राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बाल विवाह– एक सामाजिक चुनौती

नजमा बानो

सख्त कानूनों के बावजूद, कम उम्र में लड़कियों की शादी (बाल विवाह) एक बड़ी सामाजिक बुराई बनी हुई है। भारत में हर साल लगभग 15 लाख लड़कियों की शादी 18 साल से कम उम्र में हो जाती है। इसी कारण विश्व की कुल बाल वधुओं का लगभग एक-तिहाई हिस्सा भारत में है। 15 से 19 साल की लगभग 16% लड़कियाँ विवाहित हैं, हालाँकि साल 2005-06 से 2015-16 के दौरान 18 साल से पहले शादी करने वाली लड़कियों की संख्या 47% से घटकर 27% हो गई थी। इसके बावजूद, यह दर खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में चिंताजनक रूप से अधिक है। राज्य स्तर पर, राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र इस बुराई से सबसे अधिक प्रभावित हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आँकड़े साफ बताते हैं कि पिछले दशकों में इसमें स्पष्ट कमी आई है। 20 से 24 आयु वर्ग की महिलाओं में, जिनकी शादी 18 साल से पहले हो गई थी, उनकी दर राजस्थान में 2005-06 में बहुत ऊँची थी। यह दर 2015-16 में 35.4% तक आई, और 2019-21 में और घटकर लगभग 25.4% दर्ज हुई। गिरावट के ये संकेत उत्साहवर्धक हैं, लेकिन यह व्यापक समस्या अभी भी कायम है। ये आँकड़े दिखाते हैं कि हर एक संख्या के पीछे किसी लड़की की किताबों में छूटी हुई कहानी है। **शिक्षा पर प्रभाव:** जल्दी शादी के कारण स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति बढ़ती है। लड़कियों की 12वीं तक पहुँचने की संभावना कम हो जाती है। घरेलू जिम्मेदारियाँ और मातृत्व की चुनौती उनकी आगे की शिक्षा, करियर के विकल्प और आत्मनिर्भरता की संभावनाओं को सीमित कर देती हैं। **स्वास्थ्य पर प्रभाव:** किशोरावस्था में गर्भधारण से माँ और शिशु दोनों के लिए जोखिम बढ़ जाता है। प्रसव संबंधी जटिलताएँ, पोषण

की कमी, और उच्च बाल-मृत्यु दर जैसी समस्याएँ अधिक देखने को मिलती हैं। बाल विवाह केवल व्यक्तिगत कहानी नहीं, बल्कि समुदाय की समृद्धि, अगली पीढ़ी के अवसरों और समग्र शैक्षिक, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक विकास को भी प्रभावित करता है।

बदलाव की राह और आगे की जिम्मेदारी

आँकड़ों में सुधार के पीछे स्कूलों में बढ़ती दाखिलों, स्थानीय जागरूकता अभियानों और जीवन शैली में बदलाव का हाथ है। कुछ गाँवों में लड़कियों की स्कूल निरंतरता बढ़ रही है, और स्थानीय सामाजिक समूह सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं।

सतत प्रयास: स्कूलों तक सुरक्षित पहुँच सुनिश्चित करना।

जागरूकता: किशोर स्वास्थ्य सेवाएँ और समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रम।

विकल्प: युवाओं को करियर की जानकारी और विकल्प देने वाली नीतियाँ।

राजस्थान के ग्रामीण इलाकों की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है। असली जीत तब होगी जब हर लड़की के पास पढ़ाई, स्वास्थ्य और फैसलों का बराबर मौका होगा। बाल विवाह उनसे यही विकल्प छीन लेता है, जिसे अब स्थायी रूप से समाप्त करने का समय आ गया है।

श्रीजी के चरणों का अभिमन्त्रित जल है गंधोदकः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

श्री शीतलनाथ दिगम्बर जैन मंदिर शीतलधाम भोपाल के तत्वावधान में प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में जैन धर्म की महती प्रभावना हो रही है। विधानों का राजा श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आनंद भक्तगण ले ही रहे है साथ ही पूज्य गुरुमाँ के प्रवचनों का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। चतुमुर्खी जिनेन्द्र भगवान के समवशरण की छटा अनुपम थी। भक्तों ने श्रीजी को पाण्डुकशिला पर विराजमान करके जिनाभिषेक किया। आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य हर्षवर्धन जैन एवं विकास जैन सपरिवार ने प्राप्त किया । मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज जैन ने बताया कि पूज्य गुरुमाँ के दर्शनों का लाभ प्राप्त करने हेतु जयपुर, निवाई, कोटा, सागर, जबलपुर आदि स्थानों से भक्तगण पधारे थे तथा औबेदुल्लागंज जैन समाज ने अल्प प्रवास हेतु पूज्य गुरूमाँ के चरणों में श्रीफल समर्पित किया। आगामी 6 नवम्बर को माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश औबेदुल्लागंज जैन मंदिर में सुनिश्चित है। पूज्य माताजी ने गंधोदक का महत्व समझाते हुए कहा कि श्रीजी के चरणों का अभिमंत्रित जल ही गंधोदक कहलाता है। स्वच्छ निर्मल जल तो सिर्फ प्यासे को शांत करता है। परंतु यह गंधोदक पापों से संतप्त हृदयों को भी शांत करता है । सामान्य जल तो पैरों में लगे कीचड को धोने के लिए काम आता है परंतु गंधोदक सामान्य नहीं होता, उसमें श्रद्धा समायी है इसलिए वह सिर्फ मन के कीचड को साफ करता है। इसलिए गंधोदक को हमेशा सिर पर लगाते हैं क्योंकि उत्कृष्टता का स्थान उत्कृष्ट जगह पर ही होना चाहिए। तभी उसकी कीमत सभी को समझ आती है। सायंकालीन बेला में महाआरती करने का सौभाग्य समाज ने प्राप्त किया। गाजे-बाजे के साथ आरती मंदिर जी प्रांगण में लायी गई। तत्पश्चात संघस्थ नीशू दीदी के द्वारा एक मिनट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 11 मील, मण्डी, मण्डीदीप, पटेल नगर, औबेदुल्लागंज दानिश कुंज, कृष्णा धाम, जयपुर के भक्तों ने आनंद लिया । नवीन जैन जयपुर ने शास्त्र भेंट किया।

गुरू भक्ति का छाया रंग, जयकारों की गूंज के साथ थिरके कदम

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। जगत वल्लभ जैन दिवाकर श्री चौथमलजी म.सा. की जन्म जयंति एवं मालव सिंहनी पूज्य सद्गुरूवर्या कमलावतजी म.सा. की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में स्वरसाम्राज्ञी महाप्रज्ञाजी म.सा. के सानिध्य में सुभाषनगर स्थानक में श्री जैन दिवाकर महिला मण्डल भीलवाड़ा द्वारा शुक्रवार रात आयोजित भजन संध्या ''एक शाम दिवाकर कमला के नाम'' में गुरू भक्ति का ऐसा रंग जमा कि देर रात तक भक्तगण भक्ति गीतों पर थिरकते रहे। आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति, सुभाषनगर श्रीसंघ एवं श्री जैन दिवाकर चरण साधना संस्थान के सहयोग से आयोजित भजन संध्या की शुरूआत स्वर साम्राज्ञी महाप्रज्ञाजी म.सा. द्वारा गुरूभक्ति से ओतप्रोत भजनों के साथ हुई तो बाद में कुचामन सिटी से आए गायक गौरव जैन के गीतों ने भक्ति की रसधारा प्रवाहित की। भजनों की रसगंगा के बीच जयकारे गूंजायमान होते रहे। नवकार महामंत्र की स्तुति के साथ शुरू भजन संध्या में महाप्रज्ञाजी म.सा. ने जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा. एवं सद्गुरूवर्या कमलावतीजी म.सा. की स्मृति में गुरूजी तेरा नाम जपते रहे, बंद किस्मत के ताले गुरूवर मेरे, तीज की है रात गुरूवर आज थाने आनो है, कमला गुरूणी याद आती है आंखे सबकी भर आती है, चौथमल गुरू सुन लो दिल की पुकार जैसे एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी तो माहौल भक्ति के साथ भावनाओं से भी सराबोर हो उठा। इसके बाद गायक गौरव जैन एवं उनकी टीम ने संभाला ओर गुरूभक्ति के साथ परमात्मा महावीर व नवकार महामंत्र की भक्ति करते हुए भजनों की ऐसी गंगा प्रवाहित की जिसमें देर रात तक भक्तगण डूबकी लगाते रहे।

1400 किलोग्राम वजन की 3.5 फीट ऊंची भगवान महावीर की प्रतिमा का अनावरण

दर्शन हेतु उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, श्री महावीर जी रेल्वे स्टेशन पर स्थापित होगी भगवान महावीर की 1400 किलो की ब्राज प्रतिमा

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत सरकार व रेल मंत्रालय द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी द्वारा श्री महावीर जी रेल्वे स्टेशन पर स्थापित की जाने वाली, पूरे विश्व को " जीओ और जीने दो " का दिव्य संदेश देने वाले विश्व वन्दनीय, जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की ब्राज मेटल की 1400 किलो की मनोरम दर्शनीय प्रतिमा का शनिवार, 01 नवम्बर को जयपुर की भट्टारक जी की नसिया में आयोजित समारोह में भगवान महावीर के जयकारों के बीच अनावरण किया गया। इस मौके पर प्रतिमा के दर्शन हेतु बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधांशु कासलीवाल एवं मानद मंत्री सुभाष चन्द जैन जौहरी ने बताया कि शनिवार, 01 नवम्बर देवउठनी एकादशी के शुभावसर पर जयपुर की भट्टारक जी की नसिया में दोपहर 12.15 बजे से आयोजित इस प्रतिमा अनावरण समारोह में पं. प्रकाश जैन द्वारा मंगलाचरण एवं मंगलाष्टक के सामूहिक उच्चारण के बाद समाज श्रेष्ठी गजेन्द्र बडजात्या, प्रवीण, विकास, प्रिया, मेनका बडजात्या वैशाली नगर कामां वाले परिवार ने भगवान महावीर स्वामी की ब्राज मेटल से बनी हुई इस 3.5 फीट ऊची प्रतिमा का अनावरण किया । इस मौके पर बडजात्या परिवार सहित विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रेल्वे एक्स ई एन अनिल जैन ललितपुर एवं प्रसिद्ध वास्तुविद् राज कुमार कोठ्यारी, नरेन्द्र जैन गंगापुर, नितेश मीणा, ईश्वर पंडित सहित शिल्पकार एवं सभी सहयोगियों का दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी कमेटी की ओर से पूर्व अध्यक्ष एन के सेठी, जस्टिस एन के जैन, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, पी के जैन, कार्यकारिणी सदस्य डॉ कमल सोगानी, हेमन्त सोगानी, अनिल दीवान, सुरेश सबलावत, रुपिन काला, डॉ. पदम कुमार जैन सहित समाज के अनिल जैन, सुनील बज, विनोद जैन कोटखावदा, राकेश गोधा, यशकमल अजमेरा, राजेश बडजात्या, पदम बिलाला, पारस जैन आदि ने अतिथियों का सम्मान किया। कोषाध्यक्ष विवेक काला ने बताया कि श्री महावीर जी में टीले से निकली मूलनायक भगवान महावीर स्वामी की मूंगा वर्णी प्रतिमा के अनुरुप ब्रॉज मैटल से बनी हुई भगवान महावीर की इस प्रतिमा को श्री महावीर जी रेल्वे स्टेशन पर जमीन से 22.5 फीट ऊँची छतरी पर स्थापित किया जाएगा। दोपहर 3.00 बजे प्रतिमा भट्टारक जी की नसिया जयपुर से गंगापुर होती हुई श्री महावीर जी के लिए रवाना हो गई। संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी एवं पी के जैन ने बताया कि आयोजन में गंगापुर निवासी नरेन्द्र जैन नृपत्या, प्रवीण बडजात्या एवं राजेश बडजात्या ने संयोजक की भूमिका निभाई। मंच संचालन मनीष बैद ने किया। संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी ने अनावरण समारोह में शामिल सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। आयोजन में राजस्थान जैन सभा जयपुर के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, महामंत्री मनीष बैद, मंत्री यशकमल अजमेरा, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन, मानद् मंत्री एडवोकेट हेमन्त सोगानी, श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद जयपुर के मानद् मंत्री सुनील बख्शी, दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष सुनील बज, प्रदीप चूडीवाल, राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के जिला महामंत्री सुभाष बज, सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश गोधा, धीरज पाटनी, अरुण कोडीवाल, रमेश बोहरा, सुरेन्द्र मोदी, मनोज झांझरी, सुरेश जैन बांदीकुई, नीरज जैन, गजेन्द्र चांदवाड, पूनम चांदवाड सहित बडी संख्या में समाज बन्धुओं ने सहभागिता निभाई।

विनोद जैन कोटखावदा: प्रचार संयोजक
दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मेला समिति

आसना स्कूल में हुई पोस्टर प्रतियोगिता

आसना. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। अभिभावकों को विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, व्यवहार एवं विद्यालय में सहभागिता की जानकारी विस्तारपूर्वक दी गई। प्रधानाचार्य डॉ. महावीर प्रसाद जैन ने बताया कि शुक्रवार को आयोजित इस बैठक के साथ-साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती भी मनाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई तथा विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर, निबंध एवं क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने मध्यावधि अवकाश के दौरान किए गए गृहकार्य का प्रस्तुतीकरण कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्रीकृष्ण भोज का आयोजन भी हुआ। पोस्टर प्रतियोगिता के सीनियर ग्रुप में रविना गायरी प्रथम व जूनियर ग्रुप में धनिष्ठा प्रथम रही है। निबन्ध प्रतियोगिता में पूनम डॉगी प्रथम व चेतना डॉगी द्वितीय रही । क्विज में प्रियदर्शनी ग्रुफ प्रथम रहा । कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती पदमा शर्मा ने किया । क्विज प्रतियोगिता नरपत कुमार व्याख्याता विकास पाराशर ने नवीन कुमार धमेन्द्र कुमार ने सम्पन्न कराई । पोस्टर प्रतियोगता श्रीमती बसन्ती नरुका ' पूनम मेघवाल , हीरालाल जाट , भाग्य लक्ष्मी रेगर , पुष्पा सोलंकी ने सम्पन्न कराई ।

एक तेरा होना - सबका होना है, पर मेरा ना होना - सिर्फ मेरा ना होना है : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

तरुणसागरम तीर्थ, गाजियाबाद. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वषायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा कि

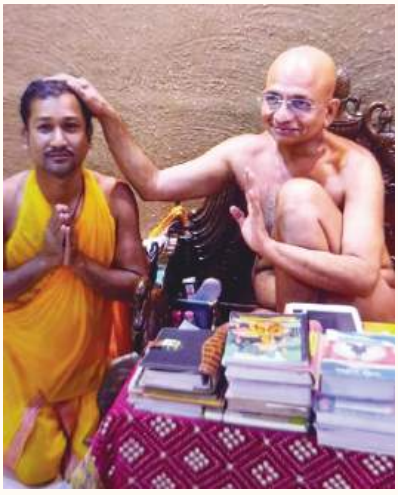

एक तेरा होना - सबका होना है, पर मेरा ना होना - सिर्फ मेरा ना होना है..!

जब भक्त समस्याओं से घिर जाता है, या किसी मुसीबत में फंस जाता है, स्थिति-परिस्थिति जब प्रतिकूल हो जाती है, जब सहयोगियों के द्वार बन्द हो जाते हैं, सगे संबंधी, इष्ट मित्र भी रूठ जाते हैं, उस समय सिर्फ और सिर्फ एक द्वार ही नजर आता है, एक ही सम्बल दिखाई देता है, जो सबका मालिक है, सुख दुःख में सबका साथ देता है, सबका सहारा बनता है, विकट संकटों से निकलने के लिये भक्त उसी से गुहार लगाता है, उसी को अन्तर्मन से पुकारता है। द्रवित मन से, दुःखी मन से - की गई गुहार, अन्तर्मन की प्रार्थना बनकर, भक्त और भगवान के बीच के फासले को मिटा देती है और भक्त - भगवान के बीच वातार्लाप शुरू हो जाता है। जब मन की गहराईयों से या शान्त और समर्पित भाव और अन्तरात्मा से जो कुछ निकलता है, वो डायरेक्ट परमात्मा तक पहुंच जाता है। जब कभी कुछ कहने की आवश्यकता पड़े तो ये प्रार्थना पर्याप्त है - हे परमात्मा, मेरे दुःखो का क्षय हो, कर्मों का नाश हो, विवेक-बुद्धि, सद् ज्ञान का उजास हो, और आपके अनन्त सुख की प्राप्ति हो।

उनसे क्या मांगू - आप से मांग लेता हूँ..

आप से क्या मांगू - आपको ही मांग लेता हूँ..!!!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

थिरक उत्सव के अंतर्गत 'नवक' का आयोजन जवाहर कला केंद्र में सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

थिरक सांस्कृतिक संस्था के वार्षिक उत्सव थिरक उत्सव के अंतर्गत 'नवक' का आयोजन कल जवाहर कला केंद्र में किया गया। जैसा कि थिरक संस्था का उद्देश्य सदैव कुछ नवीन करते हुए परम्पराओं को सहेजना और बढ़ावा देना रहा है, इस बार भी 'नवक' के माध्यम से इसी भावना को अभिव्यक्ति दी गई। सायं 6 बजे दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया। संस्था की अध्यक्ष, प्रख्यात कथक नृत्यांगना एवं गुरु श्रीमती मनीषा गुलयानी ने थिरक संस्था का परिचय देते हुए इसके उद्देश्यों और अब तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'नवक' की संकल्पना एवं उसकी प्रेरणा के विषय में भी संक्षिप्त जानकारी साझा की। कार्यक्रम में तीन प्रमुख प्रस्तुतियाँ दी गईं। सर्वप्रथम संस्था की वरिष्ठ शिष्या धृतिमणि त्रिपाठी ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। उन्होंने गणेश श्लोक से आरंभ करते हुए तीन ताल में तकनीकी पक्ष का मनमोहक प्रदर्शन किया तथा अंत में अभिसारिका नायिका की भावनात्मक अभिव्यक्ति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात किशोरवय कथक विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक प्रस्तुति अभ्यास प्रस्तुत की गई। समूह ने तीन ताल में तोड़े, टुकड़े, तत्कार, तिहाई एवं गाठ-निकास जैसी पारंपरिक संरचनाओं का सुंदर संयोजन प्रस्तुत किया। उन्होंने राम स्तुति से वातावरण को भक्तिमय बनाया और अंत में गुरु श्लोक के साथ प्रस्तुति पूर्ण की। कार्यक्रम का समापन संस्था की वरिष्ठ शिष्या कृष्णेशी शर्मा के एकल कथक से हुआ। उन्होंने कन्हैयालाल जवड़ा जी की रचित ठुमरी से आरंभ करते हुए ताल पंचम सवारी में नृत्य किया और तत्पश्चात तीन ताल द्रुत पर विष्णु श्लोक के साथ अपनी प्रस्तुति का समापन किया। समापन अवसर पर गुणीजनों, नर्तकों तथा संगत कलाकारों का सम्मान जयपुर घराने की वरिष्ठ कथक गुरू विदुषी प्रेरणा श्रीमाली द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन संस्था की सचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, जिसमें उन्होंने गोल्डन एरा म्यूजिकल सोसाइटी के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर आयोजित हुई मेगा पीटीएम

रलावता, दौसा. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रलावता, बांदीकुई (दौसा) में 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' व ''मेगा पीटीएम 2025'' का आयोजन हुआ। मेगा पीटीएम के लिए सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। उपस्थित अभिभावकों के समक्ष विद्यार्थियों ने अलग-अलग प्रस्तुतियाँ दी साथ ही उनकी शैक्षिक प्रगति को भी अभिभावकों के साथ साझा किया गया। प्रखर राजस्थान के तहत बच्चों के पठन प्रवाह का आकलन भी अभिभावकों के समक्ष किया गया। इस दौरान कार्यवाहक प्रधानाचार्य डॉ. रविकांत शर्मा ने बच्चों को भविष्य के प्रति सजग रहकर मन लगाकर अध्ययन करने की प्रेरणा दी। राजेंद्र प्रसाद खटीक वरिष्ठ अध्यापक के द्वारा विद्यार्थियों के सतत शैक्षिक विकास में मेगा पीटीएम के महत्व पर प्रकाश डाला गया। हिंदुस्तान स्काउट एवं गाइड के स्काउट मास्टर महावीर सिंह तँवर द्वारा पीटीएम के उद्देश्य के साथ ही राष्ट्रीय एकता दिवस के परिप्रेक्ष्य में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की एकीकृत भारत निर्माण में भूमिका पर व्याख्यान दिया गया। छात्रा दीपिका राय ने लौह पुरुष सरदार पटेल पर कविता, काजल गुर्जर एवं निशा गुर्जर ने भाषण प्रस्तुत किया। जिनको सभी ने खूब सराहा। अंत में समस्त स्टाफ, छात्रों एवं अभिभावकों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। साथ ही तम्बाकू मुक्त रहने की भी शपथ ग्रहण की। इस दौरान कल्याण सहाय मीणा , मुकेश मीणा, नीरज कुमारी शर्मा,राजेंद्र मीणा, नरेश कुमार गुर्जर, मुकेश प्रजापत सहित, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं कुक कम हेल्पर आदि ने भी श्री कृष्ण भोग कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

संतों का जीवन – ईश्वर के साक्षात दर्शन

संत वे महापुरुष होते हैं जिनका जीवन संसार के लिए प्रेरणा और प्रकाश का स्रोत बन जाता है। उनका हर कार्य, हर वचन, और हर आचरण हमें यह अनुभव कराता है कि ईश्वर केवल मंदिरों में नहीं, बल्कि हर उस हृदय में निवास करता है जो निर्मल, करुणामय और प्रेम से भरा हो। संतों का जीवन तप, त्याग और सेवा से ओत-प्रोत होता है। वे स्वयं के लिए कुछ नहीं चाहते, बल्कि दूसरों के कल्याण में ही अपनी प्रसन्नता देखते हैं। उनका आचरण हमें यह सिखाता है कि सच्चा धर्म किसी बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि सादगी, प्रेम और निष्काम सेवा में निहित है। जब हम किसी संत के जीवन को निकट से देखते हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो ईश्वर ने स्वयं मानव रूप धारण कर हमें सही मार्ग दिखाने के लिए अवतार लिया हो। उनकी करुणा में भगवान की दया झलकती है, उनके शब्दों में गीता और उपनिषद् की वाणी सुनाई देती है। संत तुकाराम, कबीरदास, मीरा, रविदास, तुलसीदास, नामदेव और अनेक संतों ने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि ईश्वर तक पहुँचने का सबसे सरल मार्ग प्रेम और भक्ति है। संत किसी जाति, पंथ या वर्ग से नहीं बंधे होते – उनका धर्म केवल मानवता होता है। वे हमें सिखाते हैं कि मनुष्य को अपने भीतर झाँकना चाहिए, क्योंकि वही सबसे बड़ा मंदिर है जहाँ ईश्वर निवास करता है। अतः, जो व्यक्ति संतों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने आचरण को सुधारता है, वह वास्तव में ईश्वर के साक्षात दर्शन करता है। संतों की वाणी और कर्म ही ईश्वर का जीवंत स्वरूप हैं – जो उनके मार्ग पर चलता है, वह जीवन में शांति, प्रेम और आनंद का अनुभव करता है। निष्कर्षतः, संतों का जीवन केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि आज भी वह दीपक है जो अंधकार में दिशा दिखाता है। उनका जीवन यह सिखाता है कि ईश्वर की अनुभूति दूर नहीं – वह तो हमारे भीतर ही है, बस आवश्यकता है संतों के दिखाए मार्ग पर चलने की। **अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर**

पद्मावती ग्रुप रामगंज मंडी द्वारा पंचकल्याणक के सभी प्रमुख पात्रों का किया गया सम्मान

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव 8 नवंबर से होगा प्रारंभ रामगंजमंडी । परम पूज्य आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज सानिध्य में 8 नवंबर से भव्य पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होने जा रहा है जिसको लेकर तैयारियां की जा रही हैं एवं स्वागत सम्मान का भी दौर शुरू हो गया है। इसी कड़ी में शुक्रवार की संध्या बेला में रामगंज मंडी नगर के पद्मावती ग्रुप द्वारा पंचकल्याणक में बने सभी प्रमुख पात्रों का सम्मान किया गया भक्ति में भजनों को गाते हुए उनके पुण्य की अनुमोदना की एवं उन्हें मुकुट,माला,हार पहनाकर वस्त्र, मेवा आदि देकर उन्हें सम्मानित किया गया। सभी पद्मावती ग्रुप के सदस्यों ने अपने आप को धन्य माना पंचकल्याणक में प्रमुख पात्र बनना एक पुण्य का अवसर माना जाता है एवं जो लोग उनकी अनुमोदना करते हैं वह भी अपने आप को धन्य महसूस करते हैं जो अपने आप में बहुत अलौकिक कहा जाता है। पात्रों की अनुमोदना करते हुए समूह के सभी सदस्यों ने अपने आप को धन्य माना भजनों को गाते हुए उनकी अनुमोदना की। शनिवार की बेला में आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कि वर्तमान में लोगों ने सोच बनाकर रखी है अगर साथ रहना है तो झूठ बोलकर ही रहना होगा और अगर सत्य बोला तो साथ छूट जाएगा। लोग इसलिए झूठ बोलते हैं कि दूसरे को चमकना नहीं देखना चाहते । आचार्य श्री ने कहा कि लोग झूठ इसलिए भी बोलते हैं कि दूसरे को चमकता नहीं देखना चाहते । ईर्ष्या भी प्रमाद का बहुत बड़ा हेतु है। ईर्ष्या व्यक्ति में ऐसी होती चली जाती है इंद्रिय विषयों में आकर विकथा करता चला जाता है। इंद्रिय विषयों में आसक्त हो जाता है और प्रमाद में डूबता चला जाता है। जैन दर्शन कहता है कि कुछ समझो कुछ बोलो तो उसे नय दृष्टि से समझो। ताकि कोई पक्षपात न हो। युगल वातार्लाप सेमिनार होगा रविवार की बेला में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज सानिध्य में अखिल भारतीय विनिश्चय ग्रुप द्वारा परम पूज्य मुनि श्री 108 प्रांजल सागर महाराज के निर्देशन में युगल वातार्लाप सेमिनार आयोजित किया जाएगा जिसमें जिन युगल दंपति को विवाह के 50 वर्ष या उससे अधिक हो गए हो ऐसे दंपति अपने धार्मिक अनुभव साझा करेंगे। यह आयोजन अपने आप में बहुत भव्य होगा इसी कड़ी में विशेष पूजन थाल सजाकर भक्ति करते हुए आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर महाराज का भव्य पुजन किया जाएगा। साथ ही सभी विनिश्चय ग्रुप के सदस्यों का भी सम्मान किया जाएगा।

अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

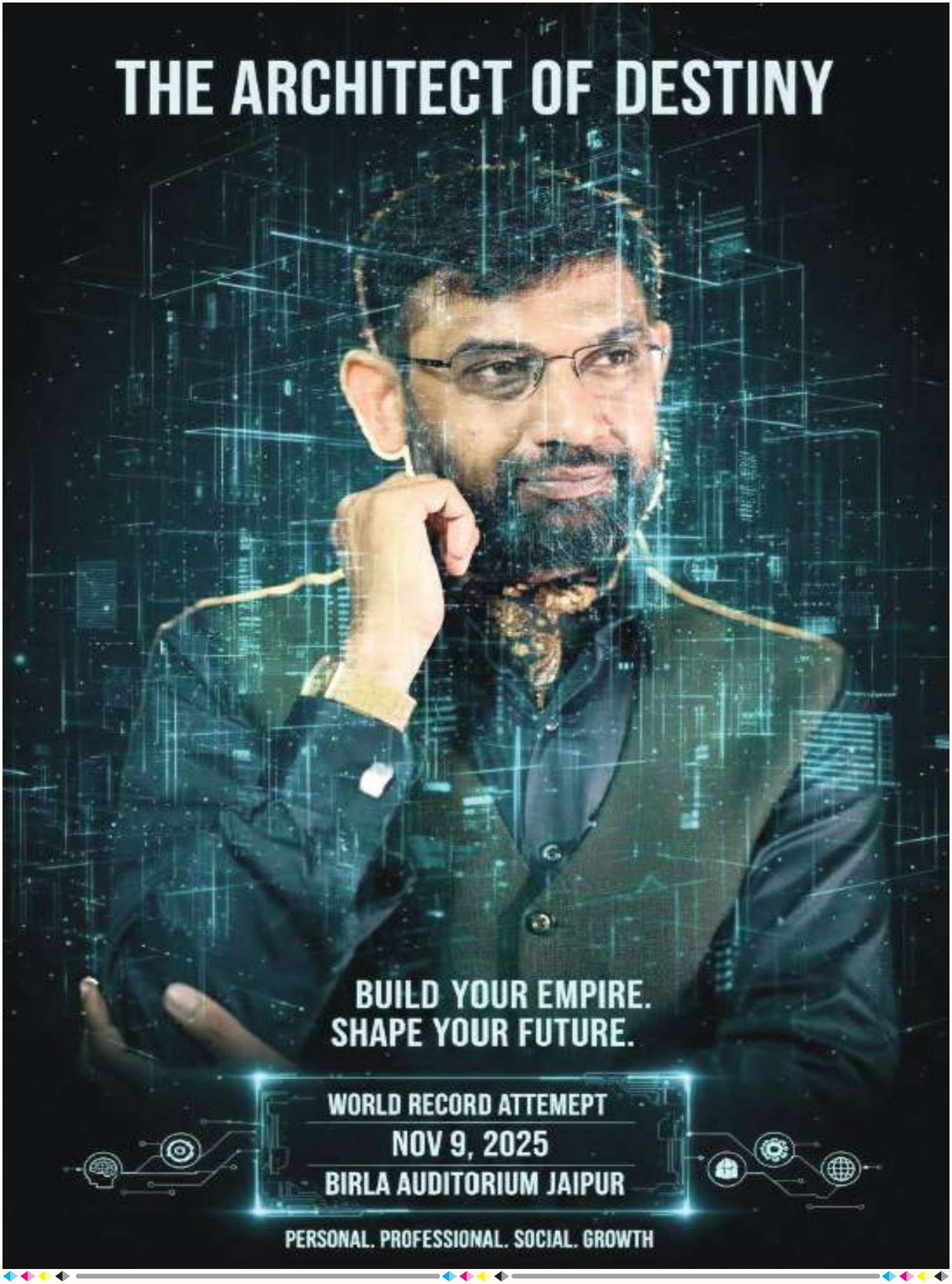
THE ARCHITECT OF DESTINY
BUILD YOUR EMPIRE.
SHAPE YOUR FUTURE.
WORLD RECORD ATTEMEPT
NOV 9, 2025
BIRLA AUDITORIUM JAIPUR
PERSONAL. PROFESSIONAL. SOCIAL. GROWTH

'अब जब बात निकली है' पुस्तक का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

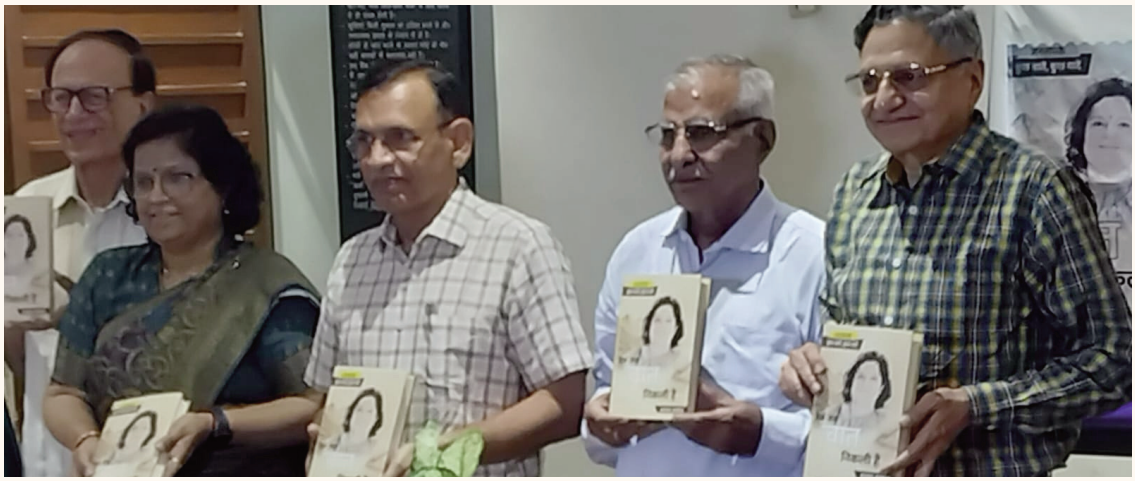

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक श्रीमती अलका सक्सेना की पुस्तक ''अब जब बात निकली है'' का आज प्रौढ़ शिक्षा समिति, जयपुर में विमोचन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश वर्मा, मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेषाधिकारी गोविंद पारीक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के पूर्व आयुक्त सुनील शर्मा तथा वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने संयुक्त रूप से पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में श्रीमती सक्सेना ने अपने 32 वर्ष से अधिक के लंबे जनसंपर्क अनुभव, सरकारी तंत्र की जमीनी वास्तविकताओं, एक महिला अधिकारी के रूप में सामने आई चुनौतियों, जनसंपर्क की नई विधाओं, नवाचारों, खट्टे-मीठे अनुभवों और कार्य-यात्रा से जुड़े अनेक प्रसंगों को बेबाक व बिना लाग-लपेट के अभिव्यक्त किया है। राकेश वर्मा ने कहा कि लम्बी प्रशासनिक सेवा में जनसंपर्क आयुक्त पर काम करने का अनुभव अद्वितीय रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क एक ऐसी अनूठी विधा है जो अपने शब्दों के साथ ही दूसरों के शब्दों को निखारने की भी काबिलियत रखता है। उन्होंने कहा कि अलका सक्सेना की किताब उनके पेशेवर अनुभवो के साथ-साथ जनसंपर्क और पत्रकारिता के व्यावहारिक सबक भी सहज रूप में पाठकों को दे जाती है। यह पुस्तक निस्संदेह रूप से जनसंचार के विद्यार्थियों के लिए शिक्षाप्रद भी सिद्ध होगी। गुलाब बत्रा ने जनसंपर्क की बदलती भूमिका के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि श्रीमती सक्सेना की पुस्तक इस भूमिका को पुनः परिभाषित करने में सहायक सिद्ध होगी। सुनील शर्मा ने वर्तमान सरकार में जनसंपर्क आयुक्त के तौर पर अपने अनुभव साझा करते हुए श्रीमती सक्सेना सहित जनसंपर्क सेवा के अधिकारियों से मिले सहयोग की मुक्त कंठ से सराहना की। विमोचन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह पुस्तक जनसंपर्क की भावी पीढ़ी के लिए एक मार्गदर्शक और प्रकाशस्तंभ साबित होगी। इस पुस्तक में लेखिका ने अपने लंबे राजकीय सेवा के अनुभवों का निचोड़ प्रस्तुत किया है। यह पुस्तक पाठकों को सरकारी सिस्टम, प्रक्रियाओं और पब्लिक रिलेशंस की वास्तविक परतों से रूबरू कराती है। वरिष्ठ पत्रकार राजेन्द्र बोड़ा ने कहा कि पुस्तक लेखक के मन के साथ ही तीन दशक के प्रशासनिक राजनीतिक परिदृश्य में झांकने का अवसर भी देती है। कार्यक्रम मे डीआईपीआर के अतिरिक्त निदेशक राजभवन राजेश व्यास सहित वरिष्ठ पत्रकार, वर्तमान एवं सेवानिवृत्त जनसंपर्क कर्मी, प्रकाशन जगत से जुड़ी शख्सियत उपस्थित रहीं।

भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य अशोक चांदवाड़ शकुंतला चांदवाड़ की हुई भव्य गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

कीर्ति नगर पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में भगवान के माता पिता बनने का सौभाग्य अशोक चांदवाड़ शकुंतला चांदवाड़ को प्राप्त हुआ। त्रिवेणी नगर जैन समाज ने आज उनकी भव्य गोद भराई कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर महेन्द्र काला, महावीर कासलीवाल, शैलेन्द्र जैन, कैलाश, लोकेश, अंकुर, विमल, राकेश छाबड़ा आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

तीये की बैठक

हमारी प्रिय

श्रीमती मणीमाला सोगानी

धर्मपत्नी संदीप सोगानी
का स्वर्गवास 31.10.2025 को हो गया है।
तीये की बैठक 03.11.2025 को प्रातः 9 बजे तोतूका भवन,
भट्टारकजी की नसियाँ पर होगी। तत्पश्चात घड़ियों का दस्तूर होगा।

-: शोकाकुल :-

हरकचंद-सरला, रानी, श्रेयांस कुमार-कमला (ससुर-सास), प्रणय, दक्ष (पुत्र), प्रदीप-आभा, राजीव-मोना, मनोज-रेणु, शरद-संगीता (जेठ-जेठानी), अमित-पूजा (देवर-देवरानी), रौनक (भतीजा), विक्टोरिया-विजय, सुमित्रा-नरेंद्र (बुआ-फूफाजी), प्रतिभा-नरेश, आरती-अभय, बरखा-मनोज (ननद-ननदोई) एवं समस्त सोगानी परिवार, 9829031212

पीहरपक्षः- महावीर (डब्बू)-रीना, ऋषि-खुशी एवं समस्त ठोलिया परिवार।

सेवाभाव और कृतज्ञता का संगम बना शांतिभवन का सम्मान समारोह

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

सेवा ही जीवन का वास्तविक सम्मान है। इसी प्रेरणादायी भाव के साथ शांतिभवन में चातुमार्सार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा आदि ठाणा के सान्निध्य में सेवा-सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। चातुर्मास अवधि में तन, मन और धन से सेवा-सहयोग देने वाले समर्पित कार्यकताओं, सहयोगियों और भामाशाहों को श्रीसंघ शांतिभवन की ओर से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में साध्वी हर्षश्री ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति तीन प्रमुख स्तंभों सेवा, सम्मान और सहयोग पर आधारित होती है। जब ये तीनों भाव जीवन में संतुलित रहते हैं, तब समाज में संगठन, सौहार्द और आध्यात्मिक ऊर्जा का विकास होता है। उन्होंने कहा, सेवा तभी पवित्र बनती है जब उसमें अहंकार या दिखावे का भाव न हो। सच्ची सेवा वह है, जो हृदय की विनम्रता और आत्मीयता से की जाए। साध्वीश्री ने आगे कहा कि समान भाव का अर्थ केवल बराबरी नहीं, बल्कि आत्मा की समानता की दृष्टि से सबको देखने का भाव है। जब व्यक्ति सभी में एक समान आत्मा का अनुभव करता है, तब ही वास्तविक शांति और सद्भाव का वातावरण निर्मित होता है। साध्वी जयश्री ने उद्बोधन देते हुए कहा कि सेवा ही जीवन का सर्वोच्च धर्म और आत्मा का सच्चा सौंदर्यहै। जब मनुष्य निस्वार्थ भाव से दूसरों के सुख के लिए कार्य करता है, तभी वह अपने जीवन का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण करता है। उन्होंने कहा, मानवता की सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। मंदिरों में दीप जलाने से अधिक प्रकाश तब फैलता है, जब कोई हृदय किसी की पीड़ा दूर करने के लिए प्रज्वलित होता है। साध्वीश्री ने कहा कि सम्मान का वास्तविक अर्थ बाहरी प्रशंसा में नहीं, बल्कि उस आत्मिक संतोष में निहित है जो निस्वार्थ सेवा से प्राप्त होता है। सेवाभावी व्यक्ति समाज के लिए दीपस्तंभ बनता है, जो स्वयं जलकर भी दूसरों के जीवन को आलोकित करता है। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि समारोह उपरांत सभी सम्मानित कार्यकताओं ने उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा से आशीर्वाद प्राप्त किए। **-प्रवक्ता निलिप्का जैन**

श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति ने किया विधायक कोठारी को स्मृति चिन्ह भेंट

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पट्टाचार्य आचार्य विशुद्धसागर महाराज के शिष्य मुनि अनुपम सागर महाराज एवं मुनि निर्मोहसागर महाराज का चातुर्मास साआनंद सम्पन्न होने पर भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी का समिति की ओर से अभिनंदन किया गया। समिति की ओर से अध्यक्ष राकेश पाटनी एवं अन्य पदाधिकारियों ने विधायक अशोक कोठारी को गुरूदेव मुनि अनपुमसागर महाराज एवं निर्मोहसागर महाराज के आशीर्वाद स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक अशोक कोठारी ने भी समिति के अध्यक्ष व समाज सेवी राकेश पाटनी एवं मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी का स्वागत किया।

जो कर्म क्षेत्र में अव्वल रहता है वही धर्म क्षेत्र में अव्वल हो सकता हैः मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

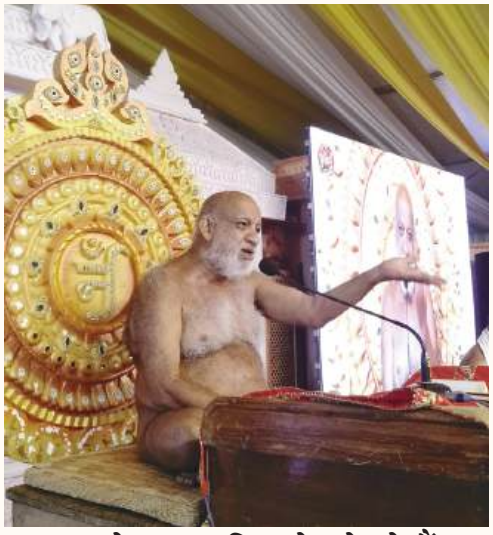

भगवान के माता-पिता के हो रहे हैं घरों में निमंत्रण

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

भारतीय संस्कृति को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने समृद्ध किया है। भगवान श्री राम के जीवन पर एक पुराण रविसेण आचार्य महाराज ने लिखा कि एक राजा वैराग्य को प्राप्त हो कर अपने पुत्र को राज्य सौंपने लगें तो पुत्र ने कारण जाकर राज्य लेने से इंकार कर दिया ।ऐसे ही पांच और पुत्र राजा के साथ वैराग्य को धारण कर वन तपस्या करने चले दिये समर्थ हो कर धर्म किया जाता है। असमर्थ व्यक्ति कभी साधु नहीं वन सकता धर्म पलायन वादी नहीं है । पाप कर्मों के उदय से परेशान हो कर धर्म करोगे तो मजा नहीं आयेगा । कम्मे सुरा सो धम्मे सुरा जो कर्म में बलवान होता है वहीं धर्म क्षेत्र में भी अव्वल हो सकता है । रामधारी सिंह दिनकर लिखते हैं क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल है वह क्या दंत हीन विष रहती सरल है। सपेरे के सांप के विष वाले दांत पहले ही तोड़ दिये फिर भी फिर सांप कहें जा मैंने तुझे छोड़ दिया उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

पंच कल्याणक महोत्सव के पूर्व हो रही है गोद भराई

इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि हम सब के सौभाग्य से नो दिसंबर से पंद्रह दिसंबर तक होने वाले श्री मद् जिनेन्द्र पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में हमारे चक्रवर्ती परिवार श्रीमति अनीता राकेश अमरोद को भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है घर घर उनके नियंत्रण के साथ ही गोंद भराई जा रही है जिसे अवसर मिले पीछे मत रहना परम पूज्य राष्ट्र संत आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी ने यहां तक कहा दिया कि आपके घर को सौभाग्य प्राप्त नहीं हो तो भी कोई बात नहीं आप अपने मोहल्ले में आने पर उत्सव मना लेना। आज हमारे परिवार को यह सौभाग्य प्राप्त हो रहा है दोपहर में माता मरूदेवी की गोद भराई सम्पूर्ण विधि जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा के निवास पर की गई । इस दौरान सभी परिवार जनों ने माता का आशीर्वाद प्राप्त किया इसके पहले जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित बरोदिया प्रदीप तारई राजेन्द्र अमन मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मंत्री विजय धुर्रा मंत्री संजीव भारल्लिय मीडिया प्रभारी अरविंद कचनार आडिटर सजंय के टी थूवोनजी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री मनोज भैसरवास सहित अन्य प्रमुख जनो दारा सभी पात्रों का माला पहनाकर तिलक किया।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने चढ़ती जवानी को संयम के पथ की ओर मोड़ दिया

उन्होंने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने चढ़ती जवानी को संयम के पथ की ओर मोड़ दिया युवा अवस्था में संयम धारण किया युवा अवस्था में जव उन्होंने मुनि मुद्रा को धारण किया तो संसार चौक गया लोग आश्चर्य कर रहे थे लोग देखने जाते थे। सब कुछ होते हुए छोड़ कर चले जाना ही तो धर्म है जिस समय लोग वृद्धावस्था में धर्म करते थे ऐसे समय में आचार्य श्री ने दीक्षा ग्रहण कर इस जग को एक नया सोपान दिया। आभाव में वैराग्य मत लेना सदभाव में वैराग्य लेना सब कुछ होते हुए सब कुछ छोड़ना ही तो महत्वपूर्ण है भोजन बना रखा है भोजन परोसने वाले तैयार बैठे हैं और उस समय आप उपवास धारण कर लें।

सम्मान समारोह में कमल गंगवाल व मनोज सांखला का किया अभिनंदन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र,अजमेर के लिए गर्व का विषय है कि केंद्र के संरक्षक कमल गंगवाल एवं कोषाध्यक्ष मनोज कुमार सांखला को हाल ही में महावीर इंटरनेशनल रीजनझ3 में क्रमशः उपनिदेशक (प्रचार) एवं उपनिदेशक (पर्यावरण) के पद पर नियुक्त किया गया है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र,अजमेर द्वारा पंचशील नगर में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया,जिसमें दोनों प्रतिभाओं का अभिनंदन किया गया। केंद्र चेयरमैन गजेंद्र पंचोली ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह दायित्व इन दोनों को उनकी कार्यकुशलता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए प्रदान किया गया है। यह न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे महावीर इंटरनेशनल अजयमेरू केंद्र के लिए गर्व का क्षण है ।ह्व उन्होंने इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष एन.के. रांका सा, जोन चेयरमैन बाबूलाल जैन तथा पदमचंद जैन के प्रति

आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इन दोनों की प्रतिभा को पहचानकर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी। सम्मान समारोह में केंद्र सचिव लोकेश जैन सोजतिया ने दोनों पदाधिकारियों को दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया, जबकि अनिल लोढ़ा,विजय जैन पांड्या,संतोष काठेड़ एवं गजेंद्र पंचोली ने मोतियों की माला पहनाकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से हुई और राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ। इसके पश्चात स्नेहिल जलपान का आयोजन किया गया इस अवसर पर गजेंद्र पंचोली, कमल गंगवाल,मनोज कुमार सांखला, लोकेश जैन सोजतिया, अनिल लोढ़ा, विजय जैन पांड्या, संतोष काठेड़, संतोष पंचोली, पूर्णिमा लोढ़ा, निकिता पंचोली एवं नरेंद्र सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ सहित पांच संघों की 38 पिच्छिका के सानिध्य में आयोजित पांच दिवसीय भगवती जिन दीक्षा महोत्सव

निकली विशाल शोभायात्रा, मंदिर जी से जिनेन्द्रदेव पहुंचे कंवर का बाग। रात्रि में निकली दीक्षार्थियों की बिनौली यात्रा

रविवार को होगा सर्व विघ्न विनाशक रोग शोक दुख पीड़ा नाशक गणधर विलय विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी जयपुर की पुण्य धरा पर दिगम्बर जैन आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ एवं आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ, मुनि अरह सागर महाराज, गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी सहित पांच संघों की 38 पिच्छिकाओं के सानिध्य में सांगानेर की चित्रकूट कालोनी में आयोजित 5 दिवसीय जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव में दूसरे दिन शनिवार को प्रातःकालीन बेला में दीक्षार्थियों द्वारा मंदिर जी में भव्य जिनाभिषेक के बाद दीक्षा स्थल तक प्रभू की शोभायात्रा निकाली गई। दीक्षा स्थल कवरं का बाग में मंडप उदघाटन के बाद भक्ति भाव से गुरु पूजन की गई। वही दोपहर में दीक्षार्थियों के माता पिता का सम्मान, रक्षाबंधन एवं दीक्षार्थियों के वैराग्य की अनुमोदना में सामूहिक गोद भराई की गई। रात्रि में बैण्ड बाजों के साथ दीक्षार्थियों की बिनौली यात्रा निकाली गई। इससे पूर्व दिन में पांच संघों के 38 संतों का भव्य मिलन हुआ। इस दौरान पूरे देश से हजारों श्रद्धालु इस महोत्सव के साक्षी बनने जयपुर में एकत्रित हुए। भगवती जिन दीक्षा महोत्सव समिति के गौरव अध्यक्ष राजीव जैन गाजियाबाद एवं अध्यक्ष अनिल बोहरा काशीपुरा ने बताया कि शनिवार, 1 नवम्बर को प्रातः 6.00 बजे मंदिर जी में अभिषेक, शांतिधारा के बाद प्रातः 6.30 बजे मंदिर जी से महोत्सव स्थल कंवर का बाग के लिए बैण्ड बाजों के साथ जिनेन्द्र प्रभू की विशाल शोभायात्रा रवाना हुई। शोभायात्रा में श्री जी पालकी पर विराजमान होकर तथा आचार्य श्री ससंघ एवं त्यागी व्रती पैदल शामिल हुए। सौधर्म इन्द्र, कुबेर, चक्रवर्ती, महायज्ञनायक सहित सभी इन्द्र - इन्द्राणी बग्गियों में बैठकर शामिल हुए। कंवर का बाग में प्रातः 7.00 बजे समाज श्रेष्ठी अशोक - शकुन्तला चांदवाड परिवार द्वारा जयकारों के बीच मंडप उदघाटन किया गया। तत्पश्चात श्री जी को मंच पर विराजमान कर जिनाभिषेक किये गए। श्रद्धालुओं द्वारा प्रातः 8.00 बजे भक्ति भाव से नाचते गाते संगीतमय गुरू पूजा की गई। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में आचार्य सुन्दर सागर महाराज के मंगल प्रवचन हुए जिसमें आचार्य श्री ने दीक्षार्थियों की वैराग्य भावना पर प्रकाश डालते हुए संयम पथ की गूढ़ बातों को बताया। इस मौके पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने आचार्य श्री के पाद पक्षालन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि जैन संत त्याग तपस्या की जीवंत मूर्ति है। साधु संतों में इतनी सिद्धि होती है कि वे भाग्य भी बदल सकते है। यह सांगानेर का सौभाग्य है कि इतने सारे साधु यहाँ विराजमान है। दीक्षा से सांगानेर की भूमि धन्य हो गई है। समिति की ओर से राजीव जैन गाजियाबाद, अनिल बोहरा काशीपुरा, कैलाश सोगानी, राजेश अजमेरा आदि ने श्री तिवाड़ी का सम्मान किया। दीक्षा महोत्सव समिति के सांस्कृतिक मंत्री राहुल सिंघल एवं नवयुवक मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्र सोगानी ने बताया कि दोपहर में कमेटी की ओर से सातों दीक्षार्थियों के धर्म के माता पिता का सम्मान किया गया। इस मौके पर रक्षाबंधन के बाद दीक्षार्थियों के वैराग्य की अनुमोदना के रुप में सभी दीक्षार्थियों की सामूहिक गोद भराई की गई। संयोजक जिनेन्द्र जैन जीतू ने गुरु भक्ति की प्रस्तुति दी। महिला मण्डल की अध्यक्ष बबीता सोगानी एवं मंत्री अंजना गंगवाल ने बताया कि शनिवार को सायंकाल 4.00 बजे से 5.00 बजे तक आयोजित आगम युक्त जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में आचार्य सुन्दर सागर महाराज श्रद्धालुओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन एवं नवयुवक मंडल के मंत्री मनीष पाटनी ने बताया कि सायंकाल 7.00 बजे बैण्ड बाजों के साथ चित्रकूट कालोनी में दीक्षार्थियों की विशाल बिनौली यात्रा निकाली गई जिसमें श्रद्धालु नाचते गाते शामिल हुए। प्रचार प्रसार मुख्य समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा एवं प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि रविवार, 2 नवम्बर को प्रातः 6.30 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद प्रातः 7.00 बजे सर्व विघ्न विनाशक रोग शोक दुख पीड़ा नाशक संगीतमय गणधर विलय विधान पूजा का भव्य आयोजन होगा। समाजश्रेष्ठी राजीव - सीमा जैन गाजियाबाद, सौम्या - राहुल पाटनी सौधर्म इन्द्र होगें। अतुल - शशि सौगानी बापूनगर सामग्री पुण्यार्जक, मुकेश - सोमलता, मनोज, राकेश, विकास - मोनिका छाबड़ा चक्रवर्ती, अजय - निधि बडजात्या मालवीय नगर कुबेर इन्द्र, प्रकाश चन्द - सुशीला देवी, अकलंक - नीतू पाटनी यज्ञनायक, केशव - सपना गोदिका अखण्ड ज्योति पुण्यार्जक एवं अनूप देवी, शिखर चन्द - कुसुम देवी कासलीवाल साईवाड वाले गुरु पूजा पुण्यार्जक परिवार होंगे। इस विधान पूजा में बडी संख्या में इन्द्र - इन्द्राणी शामिल होंगे। विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियों के लिए धोती दुपट्टे, शुद्ध भोजन आदि की व्यवस्था रहेगी। महोत्सव शामिल होने के लिए 2 एवं 3 नवम्बर को जयपुर की सभी कालोनियों से बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। मंदिर समिति उपाध्यक्ष प्रकाश चन्द बाकलीवाल एवं सयुंक्त मंत्री सत्य प्रकाश कासलीवाल ने बताया कि इसी दिन वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 विमल सागर महाराज का 64वां दीक्षा दिवस गुरु उपकार दिवस के रूप में मनाया जाएगा। दोपहर में 12 बजे दीक्षार्थियों की आहार चर्या का अभ्यास करवाया जाएगा। दोपहर 3 बजे साधुवृंद एवं त्यागी व्रतियों का अभिनंदन किया जाएगा। कोषाध्यक्ष महेन्द्र सोगानी ने बताया कि सायंकाल 4.00 बजे से 5.00 बजे तक आयोजित आगम युक्त जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में आचार्य सुन्दर सागर महाराज श्रद्धालुओं की जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे। रात्रि में दीक्षार्थी विदाई समारोह के बाद जयपुर में पहली बार प्रसिद्ध गायक विक्की डी पारीख की भजन संध्या होगी। कोषाध्यक्ष महेन्द्र सोगानी एवं सांस्कृतिक मंत्री राहुल सिंघल ने बताया कि सोमवार, 3 नवम्बर को दीक्षा का मुख्य आयोजन होगा। प्रातः 4.00 बजे मंगल केशलोचन, 7.00 बजे जिनाभिषेक पूजन की जाएगी। प्रातः 9.00 बजे शोभायात्रा के साथ दीक्षार्थियों का कवरं का बाग में भव्य मंगल प्रवेश होगा। प्रातः 8.00 बजे आचार्य श्री सुन्दर सागर महाराज ससंघ सहित 38 पिच्छिकाओं के सानिध्य में प्रातः 11.15 बजे से जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव कार्यक्रम होगा जिसमें सातों दीक्षार्थियों के दीक्षा संस्कार किये जाएंगे। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट सुरेन्द्र सोगानी एवं संयोजक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि मंगलवार, 4 नवम्बर को दीक्षित साधुओं एवं आर्यिका माताजी, क्षुल्लक, क्षुल्लिका के रूप में प्रथम आहार चर्या होगी। मुख्य संयोजक चातुर्मास कैलाश सोगानी एवं महामंत्री ओमप्रकाश कटारिया ने बताया कि आयोजन में मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर, सासंद मंजू शर्मा, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, विधायक काली चरण सराफ, महापौर डॉ सौम्या गूर्जर एवं पार्षदों के साथ कई राजनीतिक शख्सियतें शामिल होगी। महिला मण्डल की अध्यक्ष बबीता सोगानी ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज 50 से अधिक जैनेश्वरी दीक्षा दे चुके हैं।

आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आत्मा की मुक्ति के मार्ग पर अग्रसर होंगे 7 मुमुक्षु

मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार विनोद जैन कोटखावदा एवं प्रशासनिक समन्वयक एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि इस मौके पर डूंगरपुर के सागवाडा निवासी बाल ब्रह्मचारी 24 वर्षीय उमंग जैन, मध्य प्रदेश के कांकरिया निवासी 75 वर्षीय ब्रह्मचारी प्रकाश चन्द जैन, उत्तर प्रदेश के एटा निवासी तीन प्रतिमा धारी बाल ब्रह्मचारी 33 वर्षीय विकास जैन, डूंगरपुर के ब्रह्मचारी 64 वर्षीय पंकज जैन, अजमेर के बघेरा निवासी ब्रहचारिणी 60 वर्षीय मंजू देवी, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ निवासी 71 वर्षीय नक्षी देवी एवं मध्य प्रदेश के सीओर निवासी 50 वर्षीय ब्रहचारिणी किरण देवी गृहस्थ आश्रम को त्याग कर परिवार जनों की सहमति एवं अपनी इच्छा से संयम का मार्ग जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करेगें।

विनोद जैन कोटखावदा
मुख्य समन्वयक प्रचार-प्रसार
एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन
प्रशासनिक समन्वयक

@... पेज 14 पर

विशाल शोभायात्रा, रात्रि में निकली दीक्षार्थियों की बिनौली यात्रा